B.A. 2nd Semester (Honours) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-IV

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. प्रत्येकं विभागात् न्यूनतया *प्रश्नत्रयं* स्वीकृत्य *दशानां*प्रश्नानामुत्तरं सुरगिरा देवनागरीमाश्रित्य च समाधीयताम्।
প্রত্যেকটি বিভাগ থেকে অন্তত *তিনটি* করে প্রশ্ন নিয়ে মোট *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় এবং দেবনাগরী লিপিতে লেখো। 2×10=20

'क' विभागः

'ক' বিভাগ

(a) 'योगो नष्टः परन्तप' — अत्र 'योग' शब्दस्य कोऽर्थः?
'योगो नष्टः परन्तप' — এখানে 'योग' শব্দের অর্থ কী?

(b) 'बहवो ज्ञानतपसा पूताः मद्भावमागताः।' — के कथं वा श्रीकृष्णभावमागताः?
'बहवो ज्ञानतपसा पूताः मद्भावमागताः।' — তাঁরা কীভাবে শ্রীকৃষ্ণের ভাব প্রাপ্ত হন?

(c) 'क्षिप्रं हि मानुषे लोके सिद्धिर्भवति कर्मजा।' — कर्मजा सिद्धिः का भवति?
'क्षिप्रं हि मानुषे लोके सिद्धिर्भवति कर्मजा।' — 'कर्मजा सिद्धिः' কী?

(d) चातुर्वर्ण्यं किम्? परमेश्वरस्य चातुर्वर्ण्य-विभागरीतिः कीदृशी?
চাতুর্বর্ণ্য কী? পরমেশ্বরের চারটি বর্ণের বিভাগের পদ্ধতি কেমন?

(e) किं नाम विकर्म?
'विकर्म' কী?

'ख' विभागः

'খ' বিভাগ

(a) स्वाध्यायज्ञानयज्ञः को भवति?
'स्वाध्यायज्ञानयज्ञः' কী?

(b) 'अनिच्छन्नपि वार्ष्णेय बलादिव नियोजितः' — वार्ष्णेयः को भवति? अनिच्छन्नपि जनः केन कस्मिन् विषये च बलात् नियोजितो भवति?
'अनिच्छन्नपि वार्ष्णेय बलादिव नियोजितः' — वार्ष्णेयः কে? অনিচ্ছুক ব্যক্তি বলপূর্বক কার দ্বারা কোন বিষয়ে নিয়োজিত হয়?

(c) 'न कर्म्माणि निबध्नन्ति धनञ्जय' — कीदृशं कर्म अत्र अभिहितं भगवता? कर्म्माणि कं न निबध्नन्ति?
'न कर्म्माणि निबध्नन्ति धनञ्जय' — এখানে ভগবান কীরূপ কর্মের কথা বলেছেন? কর্মসমূহ কাকে বন্ধন করে না?

SelfScan

(d) 'कर्म्मभिर्न स बध्यते' — कर्म्मभिः कः कथं वा न बध्यते?
'কর্ম্মভির্ন স বধ্যতে' — কর্ম্মের দ্বারা কে কেনই বা আবদ্ধ হন না?

(e) 'सम्भवामि युगे युगे' — कः कथं वा आत्मानं सम्भवति?
'সম্ভবামি যুগে যুগে' — কে কেনই বা নিজেকে সৃষ্টি করেন?

'ग' विभागः

'গ' বিভাগ

(a) 'यतचित्तत्मा' — इति शब्दस्य कोऽर्थः?
'যতচিত্তত্মা' — এই শব্দের অর্থ কী?

(b) राजसप्रिय भोजनं कोदृशं भवति?
রাজসিক ব্যক্তিদের কীরূপ ভোজন প্রিয় হয়?

(c) 'न चैवायं स्थितश्चलति तत्त्वतः' — स्थितः कः? कस्मात् तत्त्वतः स न चलति?
'ন চৈবায়ং স্থিতশ্চলতি তত্ত্বতঃ' — স্থিত কে? কোন তত্ত্ব থেকে তিনি বিচ্যুত হন না?

(d) युक्तस्वप्नावबोधस्य जनस्य योगः कथं दुःखहा भवति?
যোগ কীভাবে উপযুক্ত নিদ্রা ও জাগরণকারীর দুঃখ বিনাশক হয়?

(e) भगवता अर्जुनः कथं 'भारत' — इति नाम्ना सम्बोधितः?
ভগবান অর্জুনকে কেন 'ভারত' — এই নামে সম্বোধন করেছিলেন?

2. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *चतुष्टयं* समाधीयताम्। तेषु च यत्किञ्चन *द्वितयं* सुरगिरा लिख्यताम्।
নীচের প্রশ্নগুলির থেকে যে কোনো *চারটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।
5×4=20

(a) सुरगिरा व्याख्या कार्या।
সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা করো। 5

ब्रह्मार्पणं ब्रह्महविर्ब्रह्माग्नौ ब्रह्मणाहुतम्।
ब्रह्मैव तेन गन्तव्यं ब्रह्मकर्मसमाधिना।।

अथवा,

आवृतं ज्ञानमेतेन ज्ञानिनो नित्यवैरिणा।
कामरूपेण कौन्तेय दुष्पूरेणानलेन च।।

(b) सुरगिरा व्याख्या कार्या।
সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা করো। 5

तद्विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया।
उपदेक्ष्यन्ति ते ज्ञानं ज्ञानिनस्तत्त्वदर्शिनः।।

अथवा,

आयुःसत्त्वबलारोग्यसुखप्रीतिविवर्धनाः।
रस्याः स्निग्धाः स्थिरा हृद्या आहाराः सात्त्विकप्रियाः।।

SelfScan

(c) मातृभाषायाम् अनुवद।

মাতৃভাষায় অনুবাদ করো। 5

त्यक्त्वा कर्म्मफलासङ्गं नित्यतृप्तो निराश्रयः।
कर्म्मण्यभिप्रवृत्तोऽपि नैव किञ्चित् करोति सः।।

(d) मातृभाषायाम् अनुवद।

মাতৃভাষায় অনুবাদ করো। 5

यदृच्छालाभसन्तुष्टो द्वन्द्वातीतो विमत्सरः।
समः सिद्धावसिद्धौ च कृत्वाऽपि न निबध्यते।।

(e) प्राणायामः कः? अस्य साधनोपायः संक्षेपेण आलोच्यताम्।

প্রাণায়াম কী? এর সাধনপ্রণালী সংক্ষেপে আলোচনা করো। 2+3=5

(f) 'तमाहुः पण्डितं बुधाः' — इति मन्त्रांशानुसारं पण्डितस्य लक्षणं स्पष्टीक्रियताम्।

'तमाहुः पण्डितं बुधाः' — এই মন্ত্রাংশানুসারে পণ্ডিতের লক্ষণ স্পষ্ট করো। 5

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं *द्वितयं* समाधीयताम्।

অধোনির্দিষ্ট প্রশ্নসমূহের মধ্যে যে কোনো *দুইটির* উত্তর দাও। 10×2=20

(a) 'न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते' — इति मन्त्रपादमाधारीकृत्य पवित्रतमस्य ज्ञानस्य तात्पर्यं श्रीमद्भगवद्गीतानुसारम् आलोच्यताम्।

'न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते' — এই মন্ত্রপাদানুসারে পবিত্রতম জ্ঞানের তাতপর্য শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার অনুসারে আলোচনা করো। 10

(b) 'इमं विवस्वते योगं प्रोक्तवानहमव्ययम्' — अत्र विवस्वान् कः? की दृशः योगो वा अत्र उपदिष्टः? यथापाठ्यांशानुसारं अस्य योगस्य स्वरूपं स्पष्टीक्रियताम्।

'इमं विवस्वते योगं प्रोक्तवानहमव्ययम्' — এখানে বিবস্বান্ কে? কীরূপ যোগ এখানে উপদিষ্ট হয়েছে? পাঠ্যাংশের অনুসরণে সেই যোগের স্বরূপ স্পষ্ট করো। 1+1+8=10

(c) 'आत्मसंस्थं मनः कृत्वा न किञ्चिदपि चिन्तयेत्।' — मनसः आत्मसंस्थसाधनोपायः वैशद्येन व्याख्यायताम्।

'आत्मसंस्थं मनः कृत्वा न किञ्चिदपि चिन्तयेत्।' — মনের আত্মাতে স্থিতির সাধনপ্রণালী বিশদে ব্যাখ্যা করো।

(d) श्रीमद्भगवद्गीतायां कति अध्यायाः सन्ति? ग्रन्थस्यास्य त्वदीय-पाठ्यांशे प्रतिभासितम् आध्यात्मिकदर्शम् आलोच्यताम्।

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতায় কয়টি অধ্যায় রয়েছে? উক্তগ্রন্থে তোমার পাঠ্যাংশে প্রতিভাসিত আধ্যাত্মিক দর্শন আলোচনা করো। 1+9=10

SelfScan